

* पृथ्वी की आंतरिक भाग की जानकारी अणुव्यार स्थान पर आबादी है, क्योंकि पृथ्वी की संरचना के आंतरिक स्तर पर पहुँचना दर-दूर तक संभव नहीं है।

* अभी तक भूगोलीय द्वारा आकृतिक महासागर के शंका इस में सबसे ज्यादा 12km तक ही खूबाई करे एका है।
अबकी पृथ्वी की त्रिज्या 6371 km है।

* पृथ्वी के आंतरिक संरचना के विषय में जानकारी केवल खोजों के सिने शॉटों से प्राप्त किया है।

① भूगोलीय स्थिति

- a) घनत्व (Density)
- b) दबाव (Pressure)
- c) तापमान (Temperature)

② प्राकृतिक स्थिति

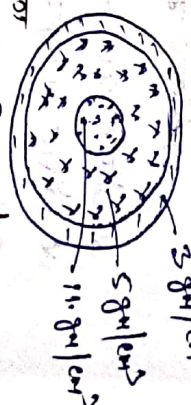
- a) ज्वालामुखी प्रकाश
- b) भूकम्प किमान

a) घनत्व (Density) -

इस अवधि में-पृथ्वी पर जो-पदार्थों का घनत्व 2.65 से 5.5 g/cm³ है। इससे पृथ्वी का औसत घनत्व 5.5 g/cm³ है कि भूगोलीय पदार्थों का घनत्व जरा बहुत अधिक है।

b) दबाव (Pressure) -

पृथ्वी के आंतरिक भाग में दबाव के कारण ही वे कठोर पदार्थों का आंतरिक भाग में आना है।
जिससे दबाव के कारण ही वे कठोर पदार्थों का आंतरिक भाग में आना है।



* पृथ्वी के आंतरिक भाग में दबाव के कारण ही वे कठोर पदार्थों का आंतरिक भाग में आना है।
जिससे दबाव के कारण ही वे कठोर पदार्थों का आंतरिक भाग में आना है।

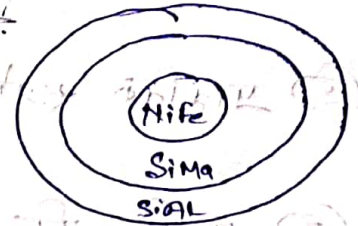
तापमान (Temperature) - भूपृष्ठ से भूगर्भ की ओर जाने पर सामान्यतः प्रत्येक 32m पर 1°C की दर से तापमान बढ़ता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि अत्यधिक तापमान के कारण चट्टानें पूर्णतया पिघल जाएं

(पिघलने पर) \rightarrow आयतन बढ़ेगा \rightarrow जगह न लेने के कारण

Note \rightarrow प्रथम 100km पर प्रत्येक 1km पर 12°C ताप बढ़ता है
 300km तक 2°C
 900km से आगे जाने पर 1km में 1°C

पुराने मत -

ऊपरी पट्टा सिमाल (SIAL) - स्थल भाग के अवसादी चट्टानों के ठीक नीचे एक चट्टानी पट्टा है जो ग्रेनाइट से मिलती जुलती है। महाद्वीपों का निर्माण इसी चट्टानों से हुआ है।
 * इन चट्टानों का नाम स्विस में सिमाल रखा है।



* औसत घनत्व - 2.75 gm/cm^3 (सिलिकन एल्युमिनियम)
 * औसत गहराई - 300km

सीमा (SiMa) - सिमाल के नीचे की पट्टा जो घनत्व में अधिक है तथा असात्व तथा ग्रेनाइट चट्टानों से बनी है

* औसत गहराई - 1000 - 2000km
 * औसत घनत्व - $2.90 - 4.75 \text{ gm/cm}^3$ (सिलिकन मैग्नीशियम)

निफे (NiFe) - केन्द्रिक भाग

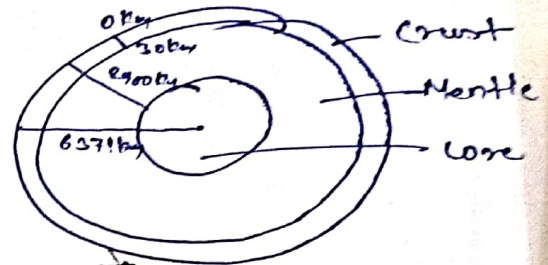
* औसत गहराई - 3440 km
 * औसत घनत्व - $4.75 - 12.0 \text{ gm/cm}^3$ (निकल फेर)

इसी पट्टा से ज्वालामुखी विस्फोट के समय लावा बाहर निकलता है

नवीन मत (Recent Views) - भूकम्पीय लहरों की जाति में

मिन्नता के आधार पर इसे तीन भागों में बांटा जाया

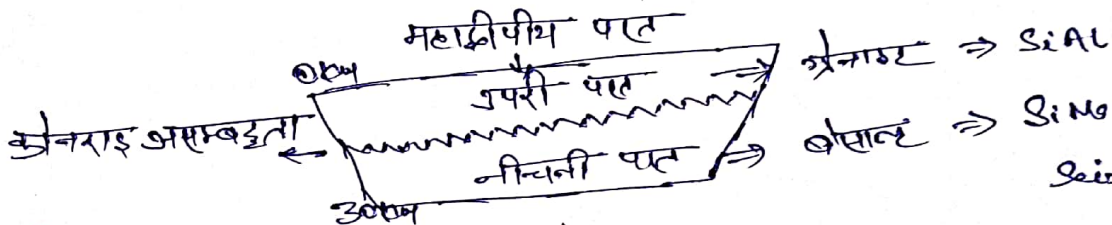
- i) भूपर्पटी या क्रस्ट (Crust)
- ii) मंडल (Mantle)
- iii) केंद्र (Core)



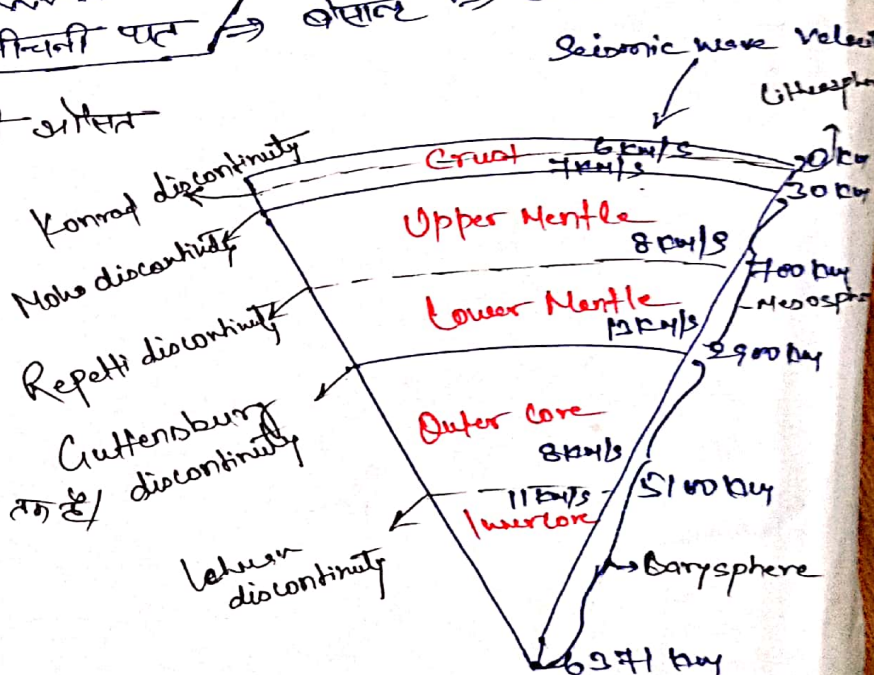
क्रस्ट (Crust) - इसकी औसत मोटाई 30 km है

महाद्वीपों पर
↓
40 km

महासागरों पर
↓
5-10 km



मंडल (Mantle) - इसकी औसत मोटाई 2900 km है।



(Core) केंद्र - इसकी मोटाई 2900 km - 6371 km तक है।